



सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें



<https://www.youtube.com/c/teachersofbihar>

पुण्यतिथि विशेष



27 जुलाई 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

छोटा लक्ष्य अपराध है, लक्ष्य बड़ा रखें।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

(भारत के पूर्व राष्ट्रपति)

जन्म : 15 अक्टूबर 1931 मृत्यु : 27 जुलाई 2015



राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

दिवस विशेष

28 जुलाई

मधु प्रिया

ए० पी० जे० अब्दुल कलाम का निधन 27 जुलाई



15 अक्टूबर 1931 को धनुषकोडी गाँव (रामेश्वरम, तमिलनाडु) में एक मध्यमवर्ग मुस्लिम अंसार परिवार में इनका जन्म हुआ। इनके पिता जैनुलाब्दीन न तो ज्यादा पढ़े-लिखे थे, न ही पैसे वाले थे। इनके पिता मछुआरों को नाव किराये पर दिया करते थे। अब्दुल कलाम संयुक्त परिवार में रहते थे। परिवार के सदस्यों की संख्याओं का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है, कि ये स्वयं पाँच भाई एवं पाँच बहन थे और घर में तीन परिवार रहा करते थे। अब्दुल कलाम के जीवन पर इनके पिता का बहुत प्रभाव रहा। वे भले ही पढ़े-लिखे नहीं थे, लेकिन उनकी लगन और उनके दिए संस्कार अब्दुल कलाम के बहुत काम आए। पाँच वर्ष की अवस्था में रामेश्वरम की पंचायत के प्राथमिक विद्यालय में उनका दीक्षा-संस्कार हुआ था। अब्दुल कलाम ने अपनी आरंभिक शिक्षा जारी रखने के लिए अखबार वितरित करने का कार्य भी किया था। कलाम ने 1950 में मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से अंतरिक्ष विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। स्नातक होने के बाद उन्होंने हावरक्राफ्ट परियोजना पर काम करने के लिये भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान में प्रवेश किया। 1962 में वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में आये जहाँ उन्होंने सफलतापूर्वक कई उपग्रह प्रक्षेपण परियोजनाओं में अपनी भूमिका निभाई। परियोजना निदेशक के रूप में भारत के पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण यान एसएलवी 3 के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे जुलाई 1982 में रोहिणी उपग्रह सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया गया था। कलाम का निधन 27 जुलाई 2015 को मेघालय के शिलॉंग में उस वक्त हो गया था, जब आईआईएम में लेक्चर दे रहे थे। मिसाइल मैन के नाम से मशहूर देश के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम यानि अबुल पकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम का आज के ही दिन निधन हुआ था।



Teachers of Bihar

The change makers



पुण्यतिथि विशेष 27 जुलाई



प्रख्यात वैज्ञानिक, श्रेष्ठ शिक्षक,
पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइल मैन

**डॉ.ए.पी.जे.
अब्दुल कलाम**

की पुण्यतिथि
पर उन्हें कोटि-कोटि नमन ।

अवुल पकिर जैनुल्लाब्दीन अब्दुल कलाम ।

Avul

Pakir Jainulabdeen Abdul Kalam; जन्म: 15 अक्तूबर, 1931, रामेश्वरम; मृत्यु: 27 जुलाई, 2015 शिलांग) जिन्हें डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के नाम से जाना जाता है, भारत के पूर्व राष्ट्रपति, प्रसिद्ध वैज्ञानिक और अभियंता के रूप में विख्यात थे। उनका राष्ट्रपति कार्यकाल 25 जुलाई, 2002 से 25 जुलाई, 2007 तक रहा। उन्हें **मिसाइल मैन** के नाम से भी जाना जाता है। वह एक गैर राजनीतिक व्यक्ति थे।



बास्केटबॉल



इस खेल का लक्ष्य विरोधियों की बास्केट में ऊपर से गेंद आर-पार डालना और साथ ही विरोधियों को अपनी बास्केट में वैसा ही करने से रोकते हुए अर्जित करना। इस तरीके से अंक अर्जित करने का प्रयास शॉट कहलाता है।

ओलंपिक में बास्केटबॉल

बर्लिन 1936 ओलंपिक गेम्स में बास्केटबॉल एक आधिकारिक ओलंपिक खेल बन गया। 40 साल बाद 1976 के मॉन्ट्रियल गेम्स में पहली बार महिला बास्केटबॉल को ओलंपिक इवेंट का हिस्सा बनाया गया था।

ऐलीवेटेड बास्केट:
घेरा ऊँचाई
3.05 मीटर

आक्रमण करने वाली टीम को:
आठ सेकंड के भीतर विरोधी हाफ में गेंद पहुंचानी होगी और 24 सेकंड के भीतर बास्केट पर शॉट लगाना होगा

फ्री थ्रो लाइन: फ़ाउल के लिए अधिकतम तीन थ्रो दिए जाते हैं

तीन बिंदु रेखा



खेलने का समय
चार 10 मिनट के क्वार्टर,
उसके बाद स्कोर बराबर होने पर
पांच मिनट की ओवरटाइम अवधि

की: आक्रमणकारी खिलाड़ी
इस क्षेत्र में तीन सेकंड से
अधिक नहीं रह सकता

कोई चार्ज नहीं अर्धवृत्त

गेंद का
व्यास: 24.8 सेमी
वज़न: 650 ग्राम

घेरे का व्यास: 45 समी



बास्केटबॉल के नियम

- खेलों को 10 या 12 मिनट के चार क्वार्टर्स में खेला जाता है। एक टीम में 12 खिलाड़ियों का रoster होता है और बास्केटबॉल कोर्ट पर एक समय पर एक टीम के 5 खिलाड़ी मौजूद होते हैं।
- बॉल को शॉट द्वारा, खिलाड़ियों के बीच पास करके, फेंक कर, टैप करके, लुढ़का कर, या ड्रिब्लिंग द्वारा यानी दौड़ाते हुए बॉल को उछालना बास्केट की ओर बढ़ाया जा सकता है।
- जिस खिलाड़ी के पास गेंद होती है वो बिना ड्रिबलिंग किए या फिर पास किए अगर गेंद दो कदम से ज्यादा लेकर जाता है तो उसे ट्रैवलिंग फाउल करार दिया जाता है।



Teachers of Bihar
The Change Makers



शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 27.07.2025

कक्षा प्रबंधन कौशल

कक्षा प्रबंधन कौशल (**Classroom management skills**) एक शिक्षक के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह एक ऐसा वातावरण बनाने में मदद करता है जहां छात्र सुरक्षित, सम्मानजनक और सीखने के लिए प्रेरित महसूस करें। प्रभावी कक्षा प्रबंधन में छात्रों के व्यवहार को नियंत्रित करना, सकारात्मक शिक्षण वातावरण बनाना, और सीखने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाना शामिल है।



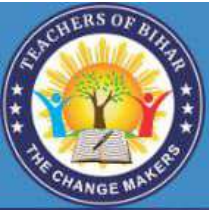
रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान



कांग्रेस सांसद **राहुल गांधी** ने माउंटेन मैन दशरथ मांझी से वादा किया था कि वो उनके लिए **पक्का घर** बनवाएंगे। वहीं अब राहुल गांधी ने **मांझी परिवार** से किया अपना ये वादा पूरा कर रहे हैं। **दशरथ मांझी** के घर का निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

www.teachersofbihar.org

राकेश कुमार



पद्य पंकज

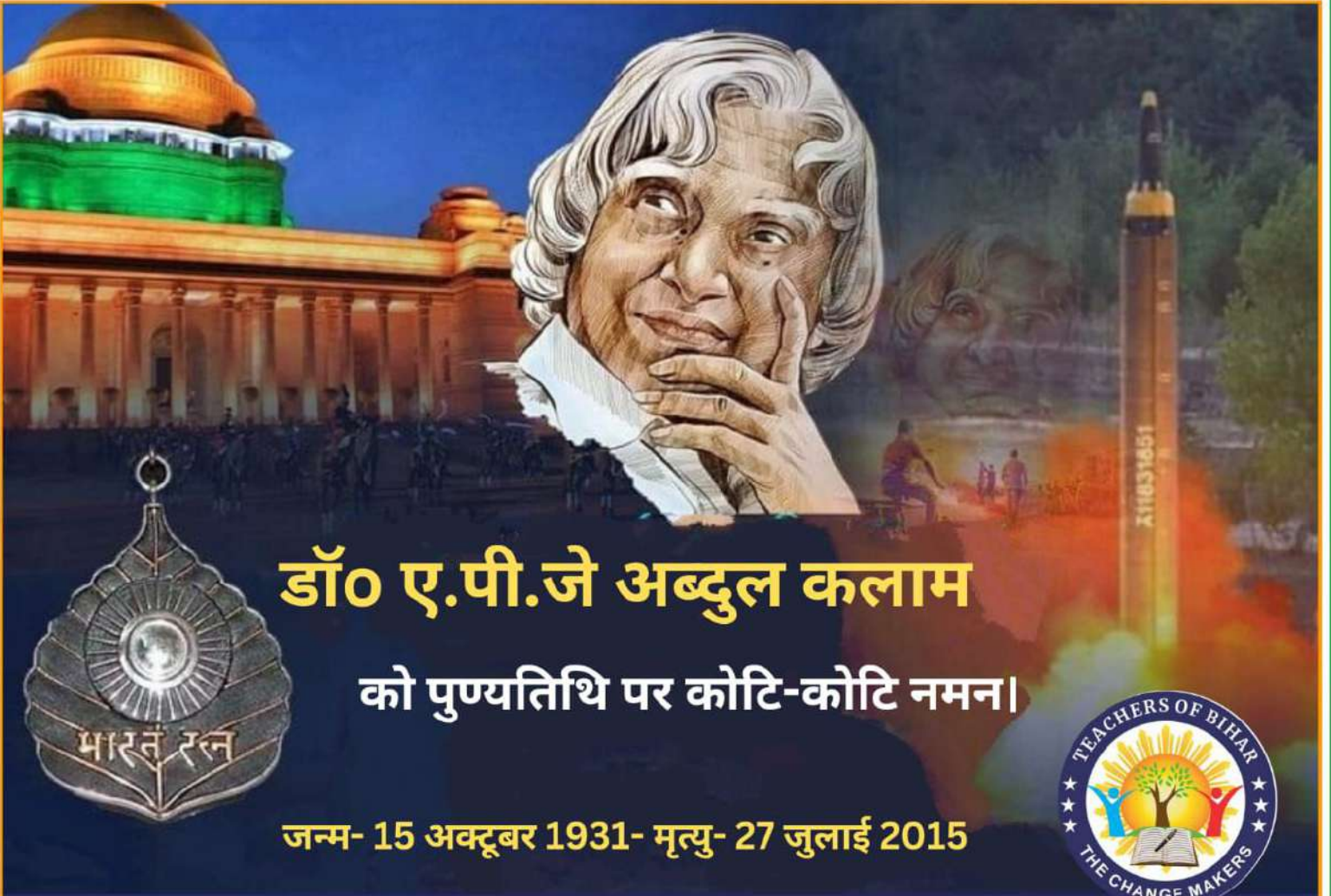
“

किसी किशती पर अगर फर्ज का
मल्लाह न हो।
तो फिर उसके लिए दरिया में डूबे
जाने के सिवाय और कोई चारा नहीं!

मुंशी प्रेमचंद

www.padyapankaj.teachersofbihar.org





www.teachersofbihar.org

Madhu priya